हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्षः5 अंकः33 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, शनिवार, 07 फरवरी 2026

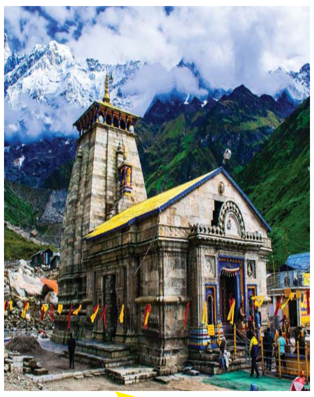

उत्तराखंड को दिए 264.5 करोड़, धामी सरकार के गुड गवर्नेंस मॉडल को मिली सराहना

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार द्वारा आवास एवं शहरी विकास विभाग में किए गए व्यापक सुधारों को केंद्र सरकार ने एक बार फिर सराहा है। केंद्र सरकार ने इन सुधारों के लिए उत्तराखंड को 264.5 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस उपलब्धि के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य के लिए बड़ी सफलता बताया है।

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय द्वारा राज्यों को शहरी विकास और आवास से जुड़े विभिन्न नीतिगत सुधारों को लागू करने के निर्देश दिए गए थे। उत्तराखंड सरकार ने इन दिशा-निर्देशों का गंभीरता से अनुपालन करते हुए कई महत्वपूर्ण रिफॉर्म्स लागू किए। इसके फलस्वरूप स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इनवेस्टमेंट योजना 2025-26 के तहत राज्य को कुल 264.5 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। शहरी विकास विभाग के अंतर्गत जीआईएस आधारित यूटिलिटी मैपिंग (सीवर, पेयजल और ड्रेनेज) के लिए 3 करोड़ रुपये, सरकारी भूमि और भवनों की मैपिंग के लिए 6.5 करोड़ रुपये तथा शहरी निकायों की आय के स्रोत बढ़ाने के लिए 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इन सुधारों से शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं, सबसे अधिक प्रोत्साहन राशि आवास विभाग द्वारा किए गए सुधारों के लिए स्वीकृत की गई है। अरबन लैंड एंड प्लानिंग रिफॉर्म के तहत टाउन प्लानिंग स्कीम और लैंड पूलिंग स्कीम के नियम लागू करने पर 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा पुराने शहरी क्षेत्रों के पुनरुद्धार कार्यक्रम के लिए 140 करोड़ रुपये तथा बिल्डिंग बायलॉज में ग्रीन बिल्डिंग मानकों को लागू करने के लिए 5 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है।

सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आवास विभाग राज्य के प्रत्येक नागरिक को किफायती आवास उपलब्ध कराने और उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार केंद्र सरकार के सभी दिशा-निर्देशों को पूरी निष्ठा से लागू कर रही है। इससे पहले खनन क्षेत्र में सुधारों के लिए भी राज्य को 200 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिल चुकी है। यह उपलब्धियां उत्तराखंड को गुड गवर्नेंस का एक आदर्श मॉडल बनाकर प्रस्तुत कर रही हैं।

भारतीय विमानन क्षेत्र में ऐतिहासिक विस्तार, सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताः त्रिवेन्द्र सिंह रावत

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

भारतीय विमानन क्षेत्र तेज़ी से सशक्त हो रहा है और यह देश की बढ़ती आर्थिक शक्ति, यात्रियों की बढ़ती मांग तथा वैश्विक स्तर पर भारत के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने लोकसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में केंद्र सरकार की ओर से स्पष्ट की गई। नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने लिखित उत्तर में विमानन क्षेत्र के विस्तार, सुरक्षा मानकों और निगरानी व्यवस्था की विस्तृत जानकारी सदन के समक्ष रखी।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में भारतीय अनुसूचित एयरलाइनों के बेड़े में बड़े पैमाने पर नए वाइड-बॉडी और नैरो-बॉडी विमानों को शामिल किया गया है। वर्ष 2023 में 112 नए विमान, वर्ष 2024 में 140 नए विमान, वर्ष 2025 में 95 नए विमान तथा वर्ष 2026 में 31 जनवरी तक 8 नए विमान बेड़े में जोड़े गए हैं। इस प्रकार बीते कुछ वर्षों में भारतीय विमानन क्षेत्र ने अभूतपूर्व विस्तार दर्ज किया है, जिससे घरेलू और अंतरराष्टीय कनेक्टिविटी को उल्लेखनीय मजबूती मिली है। इस विषय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि विमानन क्षेत्र का यह तीव्र विस्तार भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक स्तर पर बढ़ती स्वीकार्यता का प्रतीक है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि विस्तार की इस गति के साथ सुरक्षा, समय-पालन और सेवा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। केंद्र सरकार ने अपने उत्तर में स्पष्ट किया कि नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा एयरलाइनों की निरंतर और बहु-स्तरीय निगरानी की जा रही है। इस निगरानी में विमानों की उपलब्धता, समय-पालन, मार्ग युक्तिकरण, पायलट और तकनीकी स्टाफ का प्रशिक्षण, विमान रखरखाव तथा सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की नियमित समीक्षा शामिल है। किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर डीजीसीए द्वारा सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जाती है।

श्री रावत ने यह भी कहा कि बेड़े का सामंजस्य और सेवाओं का मानकीकरण एयरलाइनों का व्यावसायिक निर्णय हो सकता है, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोपरि रहनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र नई ऊंचाइयों को छू रहा है और सरकार की प्राथमिकता विस्तार के साथ-साथ सुरक्षा, विश्वसनीयता और यात्रियों के विश्वास को निरंतर मजबूत करना है।

जुमे की नमाज के दौरान पाकिस्तानी शिया मस्जिद में बड़ा धमाका...

मची अफरा-तफरी, शहर में इमरजेंसी,आत्मघाती हमला- 31 लोगों की मौत, 169 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद (इमामबाड़ा) में आत्मघाती हमला हुआ। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, हमले में 31 लोगों की मौत हो गई है और 169 घायल हुए हैं। पुलिस और रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और राहत का काम शुरू कर दिया है। अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया और घायलों को वहां पहुंचाया जा रहा है। इस्लामाबाद के पुलिस चीफ ने पूरे शहर में इमरजेंसी घोषित कर दी है। अधिकारियों को आशंका है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में मारे गए लोगों के लिए शोक जताया है। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों को निशाना बनाना इंसानियत के खिलाफ है। जरदारी ने घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को हर संभव बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए। पार्लियामेंट्री अफेयर्स के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस्लामाबाद में हुए धमाके की मैं कड़ी निंदा करता हूं। इस हमले में मारे गए लोगों के लिए दुखी हूं। ऐसी आतंकी घटनाएं देश और लोगों का हौसला नहीं तोड़ सकती।

भारत ने छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता

इंग्लैंड को 100 रन से हराया ; वैभव सूर्यवंशी ने 175 रन बनाए, 15 छक्के लगाए

हरारे। आईसीसी मेन्स अंडर-19 विश्व कप 2026 के फाइनल में शुक्रवार (6 फरवरी) को भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से हुआ। हरारे के हरारे स्पोर्टस क्लब में हुए इस मुकाबले में टॉस भारतीय टीम ने 100 रनों से शानदार जीत हासिल की। वैभव सूर्यवंशी (175 रन) की तूफानी पारी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को 412 रनों का पहाड़ सा लक्ष्य दिया। टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 40.2 ओवरों में 311 रनों पर सिमट गई। भारतीय टीम ने इसके साथ ही रिकॉर्ड छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत लिया।

भारतीय टीम ने इससे पहले 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में अंडर-19 विश्व ,कप खिताब जीता था। भारतीय टीम का ये लगातार छठा और कुल 10वां फाइनल था। दूसरी ओर इंग्लैंड ने सिर्फ 1 बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता है। साल 1998 के फाइनल में उसने न्यूजीलैंड को पराजित किया था। रनचेज में इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने जोसेफ मूर्स (17 रन) का विकेट सस्ते में गंवा दिया। इसके बाद बेन डॉकिन्स और बेन मेस ने दूसरे विकेट के लिए 74 रन जोड़े। खिलान पटेल ने मेस को आउट करके इस पार्टनरशिप को तोड़ा। मेस ने 27 गेंदों पर 45 रन बनाए, जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल रहे। भारतीय टीम को तीसरी सफलता इंग्लिश कप्तान थॉमस रेव के रूप में मिली, जो 31 रन बनाकर आउट हुए। सलामी बल्लेबाज बेन डॉकिन्स ने अर्धशतक जड़ा, लेकिन वो उसके बाद ज्यादा देर टिक नहीं पाए। आयुष म्हात्रे ने डॉकिन्स का विकेट लिया। डॉकिन ने 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 56 गेंदों पर 66 रनों का योगदान दिया। राल्फी अल्बर्ट (0 रन) और फरहान अहमद (1 रन) और सेबेस्टियन मॉर्गन (0 रन) कुछ खास नहीं कर पाए। मॉर्गन के आउट होने के समय इंग्लैंड का स्कोर 177-7 था।

फाल्कनर ने जड़ा इंग्लिश टीम के लिए शतक

यहां से कालेब फाल्कनर और जेम्स मिंटो ने आठवें विकेट के लिए 92 रन जोड़े। आरएस अम्बरीश ने मिंटो (28 रन) को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। फिर अम्बरीश ने मैनी लम्सडेन (3 रन) को भी चलता किया। कालेब फाल्कनर ने अकेले संघर्ष किया और वो 115 रन बनाकर आउट हुए। फाल्कनर ने 67 गेंदों की पारी में 9 चौके और 7 छक्के जड़े। भारत की ओर से आरएस अम्बरीश ने तीन विकेट झटके। दीपेश देवेंद्रन को भी दो सफलताएं हासिल हुईं।

भारत की पारी

मुकाबले में भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीता और पहले पहले बल्लेबाजी चुनी। भारत की तरफ से ओपनिंग करने वैभव सूर्यवंशी और आरोन जॉर्ज आए। वैभव और जॉर्ज की जोड़ी ज्यादा कुछ नहीं कर पाई। 20 के स्कोर पर जॉर्ज का विकेट गिरा। वह 9 रन बनाकर लौटे। प्वाइंट पर उनका कैच लपका गया। इसके बाद आयुष म्हात्रे ने वैभव के साथ टिककर बल्लेबाजी शुरू की। भाररतीय टीम ने 8 ओवर में 50 रनों का आंकड़ा पार किया। इसके बाद नौवें ओवर में वैभव ने 18 रन बनाए, जिससे भारतीय टीम का स्कोर 9 ओवर में 71 रन हो गया। इसी बीच भारतीय टीम के 100 रन 14वें ओवर में पूरे हुए।

जिले के प्रभारी सचिव चंद्रेश यादव ने की विकास कार्यों की समीक्षा की

पथ प्रवाह, नैनीताल।

जनपद नैनीताल के प्रभारी सचिव चंद्रेश यादव ने राज्य अतिथि गृह नैनीताल में जनपद में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान सचिव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनोपयोगी योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए जनहित में कार्य करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेते हुए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को धरातल तक ले जायें। ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने हेतु स्वरोजगार के संसाधनों को बढ़ाये जाने हेतु रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ ही महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया जाये। जो पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं से जोड़ते हुए लाभांवित किया जाये। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुँचाने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी अहम भूमिका है, इस हेतु क्षेत्र पंचायतों की बैठकों में प्रत्येक विभागीय अधिकारी अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी उन्हें उपलब्ध कराये ताकि पात्र व्यक्ति उसका लाभ ले सकें।

बैठक में विभागवार योजनाओं की समीक्षा के दौरान सचिव ने जनपद में संचालित रीप परियोजना के अन्तर्गत किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में निर्देश दिये कि इस योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक महिला समूहों को जोड़ते हुए ग्रामीण आजीविका को बढ़ाये जाने हेतु कार्य किया जाये, अधिक से अधिक लोगों को स्थानीय आवश्यकताओं एवं मांग के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जायें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के उपरान्त अधिक से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसर प्राप्त हों, इस हेतु प्लेसमेंट की व्यवस्था भी की जाये। बैठक में पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान पण्डित दीन दयाल होम स्टे योजना, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली स्वरोजगार योजना आदि की समीक्षा के दौरान सचिव ने निर्देश दिये कि जनपद में जिन व्यक्तियों द्वारा होम स्टे योजना के अन्तर्गत लाभ लिया गया है, यह सुनिश्चित किया जाये कि उन सभी होम स्टे का संचालन हो रहा हो और स्वयं होम स्टे स्वामी उसमें रह रहा हो, इस सम्बन्ध में उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को सभी पंजीकृत होम स्टे का सत्यापन कराने के निर्देश दिये। उन्होंने पर्यटन विकास अधिकारी को निर्देश दिये पर्यटन विभाग की योजनाओं का अधिकारिक लाभ स्थानीय लोगों को मिले, यह सुनिश्चित किया जाये। इस दौरान जिला पर्यटन विकास अधिकारी ने मानस मन्दिर माला मिशन अन्तर्गत कैंचीधाम एवं मां नैयना देवी मन्दिर में कराये जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी देते हुए अवगत कराया कि शीघ्र ही सभी कार्य पूर्ण कर लिये जायेंगे। ब ा ल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान सचिव ने कहा कि भविष्य में जो भी प्राथमिक विद्यालय भवनों का निर्माण अथवा खोले जायेंगे, उक्त परिसर में आंगनबाड़ी केन्द्र का भी निर्माण होगा। भविष्य में अलग से कोई भी आंगनबाड़ी केन्द्र नहीं खोला जायेगा। उन्होंने शिक्षा एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिये कि आंगनबाड़ियों में पढ़ने वाले बच्चों का प्राथमिक विद्यालय में तथा प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का जूनियर हाई स्कूल में समय समय पर भ्रमण कराया जाये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में क्रीड़ा स्थल का भी विकास किया जाना है, इस हेतु प्रस्ताव तैयार किये जाये। ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा के दौरान सचिव ने वर्तमान में जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में बनाये गये 73 सामुदायिक शौचालयों के संचालन के सम्बन्ध में निर्देश दिये कि इन शौचालयों का सदुपयोग तभी है जब इनका संचालन हो रहा हो, इनमें नियमित पानी और सफाई की व्यवस्था हो, इस सम्बन्ध में सीडीओ को स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिये। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जनपद में 8 विद्यालयों में बनाये गये स्टेम लैब के सम्बन्ध में मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि इन आठों विद्यालयों में जिले के अन्य विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाये, इस हेतु अभी से वार्षिक कैलेण्डर तैयार करते हुए जारी किया जाये।

बैठक में विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा जिले में किये जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों को समयबद्धता, गुणवत्ता, पारदर्शिता के साथ कराते हुए समय से उपभोग प्रमाणपत्र उपलब्ध कराये जाये ताकि शासन व भारत सरकार स्तर से प्राप्त होने वाली अतिरिक्त धनराशि समय से मिल सके। उन्होंने कृषि, उद्यान सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को भी निर्देश दिये कि ग्रामीण स्तर पर किसानों की आय दो गुना करने हेतु तत्परता से कार्य किया जाये। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपनी-अपनी वार्षिक कार्य योजना अभी से तैयार कर लें और उसके अनुरूप ही कार्य करें। इस दौरान यूयूएसडीए द्वारा जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा के दौरान तेजी से कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने नैनीताल नगर हेतु सीवरेज ट्रीटमेंट हेतु पटवाडांगर में चयनित भूमि के प्रस्ताव पर भी शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिये। उन्होंने सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिये कि जनपद में आवागम सुरक्षित बनाये रखने, आम नागरिकों की सुरक्षा हेतु सड़कों को दुरूस्त रखा जाये, ब्लैक स्पोट्स को ठीक किया जाये। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद के विकास हेतु जो भी बड़ी योजनाओं की आवश्यकता है, उनके प्रस्ताव तैयार कर, शासन में प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

इस दौरान उन्होंने भीमताल में सिडकुल पार्क में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अवगत कराया कि माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा उनके संज्ञान में रानीबाग स्थित वन विभाग के रेस्क्यू सेन्टर में कार्यरत कर्मचारी बहादुर साह के कार्यों की सराहना की गई है, इस सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारी इसी प्रकार से काम करें तो जनता में एक बेहतर सन्देश जाता है, इस सम्बन्ध में उन्होंने कर्मचारी बहादुर साह को सम्मानित करने की भी बात कही। इससे पूर्व बैठक में आगमन पर मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डेय ने जनपद प्रभारी सचिव का स्वागत करते हुए उन्हें जनपद में संचालित विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बैठक में सचिव द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा।

बैठक में उप जिलाधिकारी धारी अंशुल भट्ट, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, जिला पंचायतराज अधिकारी सुरेश बैनी, एपीडी चन्द्रा फर्त्याल, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ.मुकेश नेगी सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

आज डीएम मयूर दीक्षित के निर्देशन में हरिद्वार जनपद में चलेगा एक साथ मेगा स्वच्छता अभियान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद हरिद्वार को साफ स्वच्छ एव सुंदर जनपद बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशन में बीते नवम्बर माह से जनपद हरिद्वार में निरंतर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाए जाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में आज (7 फरवरी) को जनपद में मेगा स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

इस स्वच्छता महा अभियान में सभी जनपदवासियों की भागीदारी सुनिश्चित कराए जाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र ने विकास भवन परिसर से 50 प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 07 फरवरी 2026 को जनपद में चलाए जाने वाले सफाई अभियान में जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान के नेतृत्व में जनसमुदाय के सहयोग से चलाया जाएगा। इसके तहत् ग्राम पंचायत में विभिन्न वर्गो की सहभागिता हेतु समस्त ग्राम पंचायत हेतु 01 कार्मिक को नोडल अधिकारी के रूप में मुख्य विकास अधिकारी के आदेश द्वारा तैनात किया गया है, जो ग्राम पंचायत मे विशेषकर ग्राम के प्रवेश व निकास पर, पंचायत भवन/सामुदायिक भवनो, विद्यालयो, आंगनबाडी केन्द्रो, स्वास्थ्य उपकेन्द्रो की ग्राम पंचायत के माध्यम से सफाई करवायेंगे।

ग्राम पंचायत में कार्य कर रहे विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं, महिला मंगल दल, युवक मंगल दल, ऑगनबाडी कार्यकत्री, आशा विभिन्न प्रकार संगठनो की स्वच्छता में व्यापक भागीदारी भी इस कार्यक्रम में की जाएगी। ग्राम पंचायत के नोडल अधिकारी ग्राम पंचायत में वृहद स्वच्छता कार्य के गुणवत्तापूर्ण जियोटैग फोटो उपलब्ध करायेंगे। न्याय पंचायत स्तर के प्रभारी अधिकारी उक्त स्वच्छता महाअभियान की अपने न्याय पंचायत के समस्त ग्राम पंचायतो में अनुश्रवण करेंगे और स्वच्छता अभियान के जियोटैग फोटोग्राफ ब्लाक कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे। ग्राम पंचायत में दुकानदारों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानो को संचालित कर रहे व्यक्तियों की भागीदारी

सुनिश्चित करते हुए स्वच्छता हेतु अपने प्रतिष्ठान पर अपना डस्टबिन अवश्य रखने हेतु अवगत कराया जायेगा। ग्रामीण कस्बों, बाजारो, पीठ बाजारों में स्वच्छता व सफाई का कार्य जिला पंचायत द्वारा करवाया जायेगा। एकत्रित प्लास्टिक कूडे को ब्लाक में जिला पंचायत द्वारा संचालित काम्पेक्टर तक भेजा जायेगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, नोडल स्वजल चन्द्रकान्त त्रिपाठी, सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी हेम चन्द्र, सहायक विकास अधिकारी (पं0) बहादराबाद बिजेन्द्र सैनी, सचिव / ग्राम पंचायत विकास अधिकारी कुलदीप सिंह चौहान, अजय चौहान, अमरीश सैनी,अमित सैनी, हिमांशु शर्मा,शान्तनु चौहान, मनोज कुमार, मनोज पोसवाल, इन्दूबाला, सुन्दरलाल आदि उपस्थित रहे।

स्क्रैप के गोदाम में लगी भीषण आग से मचा हड़कंप, लाखों का हुआ नुकसान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शुक्रवार की सुबह थाना बहादराबाद के सुमन नगर क्षेत्र में एक स्क्रैप के गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की तेज लपटों और घने धुएँ से इलाके में दूर तक दिखायी दी। आग लगने से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। आग लगने की सूचना प पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के मुताबिक सुमन नगर क्षेत्र स्थित स्क्रैप के गोदाम में आज सुबह अचानक भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन मायापुर, बहादराबाद और सिडकुल की फायर यूनिटें तुरंत मौके पर पहुँचीं और आग बुझाने का कार्य जारी किया। स्क्रैप सामग्री अधिक होने के कारण आग पर काबू पाने में दमकल कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आग से फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग की भयावता के कारण आग के आसपास फैलने का खतरा बढ़ गया था। इस कारण से आसपास के इलाके को एहतियातन सुरक्षित किया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है।

मूर्ति अनावरण बना सनातन चेतना का प्रेरक क्षणः अपर्णा यादव

पथ प्रवाह, हरिद्वार

सप्तऋषि आश्रम में आयोजित गुरु समाधि एवं मूर्ति अनावरण कार्यक्रम का समापन अत्यंत भव्य और ऐतिहासिक वातावरण में संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी गौरवपूर्ण बना दिया। उन्होंने परम पूज्य सत्यमित्रानंद जी महाराज की प्रतिमा के अनावरण को भावुक, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी क्षण बताते हुए इसे सनातन परंपरा के लिए गौरव का विषय कहा। अपर्णा यादव ने संत समाज की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत सदियों से राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की रक्षा में समर्पित भाव से कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संतों के त्याग, तपस्या और साधना से ही सनातन संस्कृति आज भी जीवंत है और आने वाली पीढ़ियों को दिशा दे रही है। धर्म जागरण के लिए संतों द्वारा किए जा रहे कार्य समाज को सकारात्मक सोच और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी संतों, श्रद्धालुओं और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी सनातनियों से आह्वान किया कि वे आगे आकर सनातन परंपरा के संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

भारत माता मंदिर में राष्ट्र, संस्कृति और चेतना का विराट संगम

गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की समाधि प्रतिमा से गूंजा 'एक भारतङ्कश्रेष्ठ भारत' का संदेश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

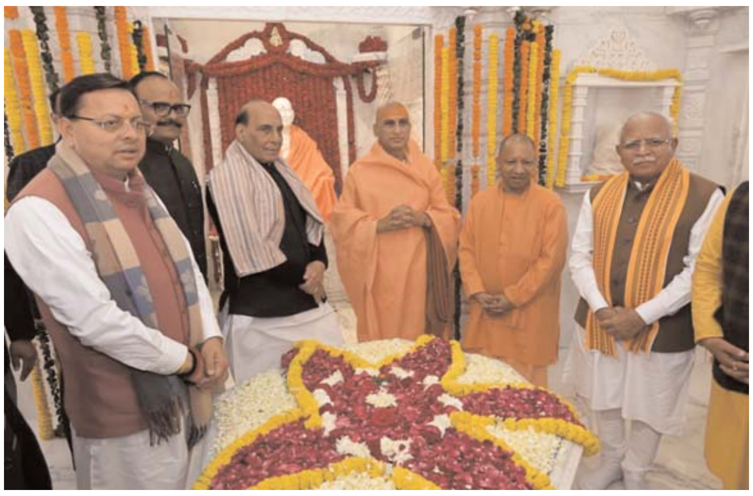

सप्तऋषि क्षेत्र स्थित भारत माता मंदिर परिसर शुक्रवार को राष्ट्र चेतना, सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता का जीवंत केंद्र बन गया, जब ब्रह्मलीन परम पूज्य गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की समाधि मंदिर एवं प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। तीन दिवसीय भव्य समारोह का समापन आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, कार्ष्णि पीठाधीश्वर स्वामी गुरु शरणानंद महाराज, हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', विधायक प्रेमचंद अग्रवाल सहित देशभर से आए संत-महात्मा, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने गुरुदेव की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर राष्ट्र कल्याण की कामना की।

तीन दिनों तक चले इस आयोजन में सनातन संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा, राष्ट्रबोध, मानव सेवा और सामाजिक एकता जैसे विषयों पर गहन विमर्श हुआ। भारत माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक समरसता और राष्ट्रीय एकात्मता के प्रतीक के रूप में उभरकर सामने आया, जहां भाषा, क्षेत्र और वर्ग की सीमाएं स्वतः ही विलीन होती नजर आईं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हरिद्वार भारत की सांस्कृतिक आत्मा का केंद्र है। स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की साधना और विचार आज भी राष्ट्र को नैतिक और सांस्कृतिक दिशा दे रहे हैं। संस्कृति की रक्षा से ही राष्ट्र सशक्त बनता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गुरुदेव ने आध्यात्मिक चेतना को राष्ट्र सेवा से जोड़ा। भारत माता मंदिर हमारी सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र प्रेम का सशक्त प्रतीक है। उत्तराखंड विकास और विरासत के संतुलन के साथ आगे बढ़ रहा है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि सनातन परंपरा के सच्चे ध्वजवाहक थे। भारत माता मंदिर संपूर्ण भारत को एक सूत्र में पिरोने वाला राष्ट्रीय तीर्थ है।

हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भारत माता मंदिर दूरदर्शी राष्ट्र निर्माण की अवधारणा का जीवंत उदाहरण है। सेवा और समर्पण ही सच्ची राष्ट्र भक्ति है।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण ने कहा कि गुरुदेव का जीवन राष्ट्र, धर्म और मानव चेतना को दिशा देने वाला रहा। वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि संत समाज से सदैव ऊर्जा और मार्गदर्शन मिलता है।

गौरतलब है कि इस आयोजन ने आध्यात्मिक और सामाजिक चेतना को नई दिशा दी है। यह आयोजन केवल एक समाधि प्रतिमा का अनावरण नहीं था, बल्कि यह राष्ट्र, संस्कृति, सेवा और समरसता के साझा संकल्प का उद्घोष बन गया। भारत माता मंदिर से उठी यह चेतना आने वाले समय में सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास को और अधिक सशक्त करने का संदेश देकर संपन्न हुई।

प्रेस क्लब पहुंचे परिवहन विभाग के अधिकारी, संगोष्ठी में दी यातायात के नियमों की जानकारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

प्रेस क्लब हरिद्वार में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम तहत प्रेस क्लब में परिवहन विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग के अधिकारियों ने यातायात नियमों की जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एआरटीओ प्रशासन निखिल शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि एआरटीओ प्रवर्तन नेहा झा व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संगोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर किया गया। इसके साथ ही अतिथियों का प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, महामंत्री दीपक मिश्रा व संगोष्ठी के संयोजक आशीष मिश्रा ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी- निखिल शर्मा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एआरटीओ प्रशासन निखिल शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि सभी वाहन चालक निर्धारित यातायात नियमों का पालन करें, वाहन की गति नियंत्रित रखें और नशे में वाहन चलाने से बचें, तो सड़क दुर्घटनाओं में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग लगातार जागरुकता अभियानों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित कर रहा है। कहा कि पूरे देश में वर्षभर में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें एक लाख लोगों मौत होती है। इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सभी को जागरूक होना होगा और यातायात नियमों का पालन करना होगा। सड़क दुर्घटनाएं होगी, लेकिन मृत्यु दर में कमी आएगी।

सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी- नेहा झा

एआरटीओ प्रवर्तन नेहा झा ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है। सभी वाहनों पर आगे और पीछे दोनों और स्पष्ट एवं मानक के अनुसार नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य है। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर चलने, सीट बेल्ट लगाने, मोबाइल फोन का उपयोग न करने तथा ट्रैफिक सिग्नलों का पालन करने की अपील की। उन्होंने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई भी की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान यातायात नियमों को लेकर जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया। सभी को एआरटीओ प्रवर्तन नेहा झा शपथ दिलायी। इसके पश्चात अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। पत्रकारों को हेलमेट भी वितरित किए गए।

एक नजर

पुलिस के सामने ही आपस में भिड़े बैठे 5 आरोपी हिरासत में

पथ प्रवाह, हरिद्वार। शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में पुलिस ने पांच अभियुक्तों को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की। दोनों पक्षों को मारपीट को लेकर हुए मुकदमे में बयान दर्ज कराने के लिए कोतवाली बुलाया गया था, लेकिन दोनों पक्ष यहां भी एक दूसरे से लड़ बैठे। पुलिस के मुताबिक 03-02-2026 को कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्रान्तर्गत दो पक्षों में हुए आपसी लडाई-झगडे के सम्बन्ध में 04-02-26 को कोतवाली ज्वालापुर पर दोनों पक्षों द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्रों के आधार पर अलग-अलग अभियोग पंजीकृत किये गये। जिसकी विवेचना अ0उ0नि0 गम्भीर तोमर द्वारा सम्पादित की जा रही है। पंजीकृत अभियोगों के सम्बन्ध में घटना की विस्तृत जानकारी हेतु विवेचक द्वारा आज दिनाक 05-02-2026 को दोनो पक्षों को थाने पर बयान हेतु बुलाया गया था। कोतवाली ज्वालापुर पर बयान व घटना के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते समय दोनो पक्ष एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने लगे तथा एक दूसरे पर आमदा फसाद होने लगे तथा उत्तेजित होकर जोर-जोर से चिल्लाते हुए शान्ति व्यवस्था भंग करने लगे। जिन्हे विवेचक व थाने पर उपस्थित सभी पुलिस कर्मियों द्वारा काफी समझाने का प्रयास किया गया किन्तु दोनो पक्ष अधिक उग्र होने लगे जिस कारण ज्वालापुर पुलिस द्वारा अन्य कोई चारा ना देखते हुए दोनो पक्षो को शांति व्यवस्था के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170 बी.एन.एस.एस. में गिरफ्तार किया गया।

नगरपालिका शिवालिकनगर के चौमुखी विकास को लेकर भाजपा प्रतिबद्ध : अतुल वशिष्ठ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नगरपालिका परिषद शिवालिकनगर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर भाजपा पूरी तरह प्रतिबद्ध है और जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर धरातल पर उतारा जा रहा है। यह बात नगरपालिका शिवालिकनगर के सांसद प्रतिनिधि अतुल वशिष्ठ ने वार्ड संख्या-01 में आयोजित स्थानीय कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान कही। बैठक का आयोजन 06 फरवरी 2026 को किया गया, जिसमें क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में वार्ड-01 अंतर्गत सड़कों के निर्माण, नालियों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, पार्कों के सौंदर्यकरण एवं साफ-सफाई से संबंधित कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं सभासदों ने आम नागरिकों से मिल रही समस्याओं को बैठक के समक्ष रखा और उनके शीघ्र समाधान पर मंथन किया गया।

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि अतुल वशिष्ठ ने कहा कि भाजपा का स्पष्ट संकल्प विकसित भारत और विकसित शहर का है। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ माननीय सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत एवं स्थानीय विधायक आदेश चौहान के माध्यम से नगरपालिका क्षेत्र को निरंतर मिल रहा है, जिसे नगरपालिका के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी विकास कार्य पारदर्शिता के साथ, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हों। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूर्व की भांति आगे भी नगरपालिका के प्रत्येक वार्ड में स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के साथ नियमित बैठकों के माध्यम से विकास कार्यों को और अधिक गति दी जाएगी।

बैठक में स्थानीय स्तर पर समन्वय मजबूत करने, जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण तथा स्वच्छता एवं बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में प्रमुख रूप से स्थानीय सभासद वीरेंद्र अवस्थी, शांतनु मिश्रा, बलराम नौटियाल, एम.एल. पंवार, मंजू नौटियाल, हरकेश चौहान, रमाकांत माहेश्वरी, जी.के. गोयल, राम निवास, मुदित मित्तल, शुभम सैनी, आर.के. वर्मा, पवन गर्ग, आदित्य मदन सहित अनेक स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

केंद्रीय बजट 2026-27 : विकास, निवेश और समावेशी भारत की ठोस नींव

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट स्पष्ट रूप से सरकार की दीर्घकालिक सोच और नीतिगत निरंतरता को दर्शाता है। ÷तेज आर्थिक विकास, लोगों की क्षमता निर्माण और सबका साथ्‌ऽसबका विकास÷ के तीन मूल स्तंभों पर आधारित यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक व्यावहारिक रोडमैप है।

सबसे पहले, बजट में राजकोषीय अनुशासन और आर्थिक स्थिरता पर दिया गया जोर सराहनीय है। 4.3 प्रतिशत का अनुमानित राजकोषीय घाटा यह संकेत देता है कि सरकार विकास और वित्तीय संतुलन के बीच संतुलन साधने में सफल हो रही है। पूंजीगत व्यय को ऊंचे स्तर पर बनाए रखना भविष्य की उत्पादक क्षमता को मजबूत करेगा, वहीं ऋण-से-जीडीपी अनुपात में गिरावट अर्थव्यवस्था की सेहत को बेहतर दर्शाती है।

विनिर्माण और 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा देने के लिए बजट में कई ठोस पहल की गई हैं। सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, बायोफार्मा शक्ति योजना और इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा योजना भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत स्थान दिलाने की क्षमता रखती हैं। यह न केवल रोजगार सृजन करेगा, बल्कि भारत को आयात-निर्भरता से बाहर निकालने में भी मददगार होगा।

एमएसएमई और स्टार्टअप सेक्टर के लिए बजट विशेष रूप से सकारात्मक है। स्स्थ्र ग्रोथ फंड और आत्मनिर्भर भारत फंड के जरिए छोटे और मध्यम उद्यमों को पूंजी और संस्थागत समर्थन मिलेगा। टियर-2 और टियर-3 शहरों पर फोकस यह दर्शाता है कि सरकार विकास को महानगरों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि उसे जमीनी स्तर तक ले जाना चाहती है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी बजट का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, जलमार्ग और सी-प्लेन सेवाएं लॉजिस्टिक्स लागत घटाने और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। शहरी विकास के लिए शहर आर्थिक क्षेत्रों (ष्ठश्वक्र) का प्रस्ताव भारत के शहरों को विकास के नए इंजन के रूप में स्थापित कर सकता है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास से जुड़े प्रावधान इस बजट को सामाजिक दृष्टि से संतुलित बनाते हैं। संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों की संख्या बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस और आयुष संस्थानों का विस्तार मानव संसाधन की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

किसानों के लिए उच्च मूल्य कृषि, मत्स्य पालन और पशुपालन पर जोर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। वहीं कर सुधारों और नए आयकर अधिनियम से कर प्रणाली सरल होगी और 'ईज ऑफ लिविंग' में वास्तविक सुधार आएगा। बजट 2026-27 अल्पकालिक लोकलुभावन घोषणाओं से दूर रहते हुए दीर्घकालिक विकास, निवेश और रोजगार पर केंद्रित है। यदि घोषित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया, तो यह बजट निस्संदेह भारत को विकसित राष्ट्र की ओर ले जाने वाला एक मजबूत कदम साबित होगा।

वैश्विक कूटनीति में बदलता शक्ति संतुलन

डॉ हिदायत अहमद खान

मौजूदा वक्त में विकसित देशों के साथ ही प्रमुख विकासशील देशों में जिस तरह के घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं, उससे दुनियां में एक बड़े बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। मनमाने ढंग से देशों पर अपने नियमों को लादना और न मानने पर कठोर से कठोर कार्यवाही करना, सामान्य लगने लगा है। न्याय दिलाने या जुल्म को खत्म करने की बजाय शक्ति का उपयोग अपने आधिपत्य को बढ़ाने के लिए किया जाने लगा है। इस तरह से इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक दुनियां की तस्वीर बदलने को आतुर नजर आ रहा है। वैश्विक राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिख रही है। यही नहीं लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का नेतृत्व करने वाला अमेरिका अब धीरे-धीरे कई बहुपक्षीय मंचों और वैश्विक संस्थानों से पीछे हटता नजर आया है। इसके विपरीत, चीन इस खाली होते कूटनीतिक मैदान में न केवल सक्रिय हुआ है, बल्कि स्वयं को एक वैकल्पिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की कोशिश भी कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भविष्य का वैश्विक सुपर पावर कौन होगा, अमेरिका, रुस, चीन या कोई और उभरती ताकत? अमेरिका में दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वर्ष के कार्यकाल में 66 बहुपक्षीय संगठनों से बाहर निकलने की घोषणा करके सभी को चौंकाने का काम किया है। इससे वैश्विक राजनीति में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है। जलवायु परिवर्तन, श्रम अधिकार और प्रवासन जैसे मुद्दों को 'राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध' बताकर उनसे दूरी बनाना अमेरिका की उस परंपरागत भूमिका से हटना है, जिसमें वह वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के संरक्षक की भूमिका निभाता चला आ रहा था। फिलहाल इस बदलाव का लाभ चीन को मिला है, जिसने कूटनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग में विदेशी नेताओं की मेजबानी के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह कहना, कि मौजूदा अंतराष्ट्रीय व्यवस्था भारी दबाव में है और समानता आधारित प्रणाली की जरूरत है, चीन की महत्वाकांक्षा को स्पष्ट करता है। वैसे चीन इस दिशा में लंबे समय से काम करता चला आया है। खास बात यह है कि चीन का उभार केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में यह धारणा मजबूत हुई है कि आने वाले दशकों में चीन का वैश्विक प्रभाव तेजी से बढ़ेगा। ऐसे में अमेरिका और चीन के बीच शक्ति का जो अंतर कभी बहुत व्यापक था, वह अब सिमट रहा है। हालांकि सैन्य क्षमता, तकनीकी नवाचार और सॉफ्ट पावर के लिहाज से अमेरिका अब भी अग्रणी है, लेकिन चीन आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर उसकी बराबरी बल्कि कई मामलों में तो आगे बढ़ता दिखा है।

इस वैश्विक रणनीति में 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका बेहद अहम है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के साथ चीन ने बीते एक दशक में गहरे संबंध बनाए हैं। वर्ष 2013 में शुरू किया गया बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) इसी का सशक्त उदाहरण है, जिसके तहत चीन ने बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश कर रखा है। आज जब पश्चिमी देश चीन को रणनीतिक रूप से घेरने का प्रयास कर रहे हैं, तब यही विकासशील देश उसके लिए राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का आधार बनते दिख रहे हैं। आर्थिक रूप से भी चीन की स्थिति मजबूत बनी हुई है, 2025 में पांच प्रतिशत की विकास दर और रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष इसकी पुष्टि करते हैं।

बावजूद इसके अमेरिका के सामने चीन का यह रास्ता जोखिमों से मुक्त नहीं है। अमेरिका टैरिफ-टैरिफ खेल रहा है, जबकि कई देशों में बीआरआई परियोजनाओं से जुड़े कर्ज संकट ने चीन को अपनी निवेश नीति पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर दिया है।

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

ललित गर्ग

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे यही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक 'गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है।

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए, समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है।

सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा।

मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं। दरअसल,ये दुखद घटनाएं एक घातक प्रवृत्ति को ही उजागर करती हैं कि गेमिंग और डिजिटल संपर्क लाखों युवाओं को आभासी समुदाय और मनोरंजन तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन साथ ही ये भावनात्मक कमजोरियों,सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की पूर्ति न होने जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। हालांकि, वहीं दूसरी ओर समाज विज्ञानी इस बात पर भी बल देते हैं कि केवल गेमिंग या ऑनलाइन मित्रता ही आत्महत्या का कारण नहीं बन सकती हैं। निस्संदेह, आत्महत्या एक जटिल और बहुआयामी घटना है। लेकिन समस्याग्रस्त डिजिटल जुड़ाव, विशेष रूप से जब यह ऑफलाइन जीवन से अलगाव, बाधित शिक्षा और तीव्र भावनात्मक तनाव के साथ होता है तो संवेदनशील युवा मन में परेशानी को और बढ़ा सकता है।

गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा।

बच्चों को ऐश की चाबियाँ माता पिता की जिम्मेदारी और समाज की चेतना

कांतिलाल मांडोत

सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी केवल एक मामले तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे समाज के लिए चेतावनी की तरह है कि बच्चों को बिना जिम्मेदारी सिखाए सुविधाओं की चाबी सौंप देना कितना खतरनाक साबित हो सकता है ।पुणे के चर्चित नाबालिग कार चालक दुर्घटना मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने जो कहा वह हमारे सामाजिक ढांचे पर सीधा सवाल खड़ा करता है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब माता पिता अपने बच्चों को समय नहीं दे पाते जब वे संवाद नहीं कर पाते तब वे पैसे और सुविधाओं से उस कमी को पूरा करने की कोशिश करते हैं। और यही प्रवृत्ति आगे चलकर गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि नाबालिगों को कार की चाबियां देना महंगे शौक पूरे करने के लिए बेहिसाब पैसा देना और उनकी गतिविधियों पर नियंत्रण न रखना केवल व्यक्तिगत चूक नहीं है बल्कि यह सामूहिक लापरवाही का प्रतीक है ।आज के शहरी समाज में यह पैटर्न बार बार सामने आ रहा है। जहां कम उम्र के बच्चे देर रात पार्टियों में शामिल होते हैं ,शराब और नशे के संपर्क में आते हैं। तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं। और निर्दोष लोगों की जान खतरे में डाल देते हैं। इसके बाद जब दुर्घटना होती है तो प्रभाव और पैसे के बल पर सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश की जाती है। मेडिकल साक्ष्य बदले जाते हैं। और कानून के शिकंजे से बचने के रास्ते तलाशे जाते हैं।

पुणे का यह मामला इसलिए भी झकझोरने वाला है क्योंकि इसमें दो युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की जान चली गई जो अपने भविष्य के सपने संजोए हुए थे। एक पल की लापरवाही ने उनके परिवारों की दुनिया उजाड़ दी। अदालत ने जिन तीन आरोपियों की जमानत अर्जी पर सुनवाई की वे सबूत मिटाने और रक्त के नमूने बदलने जैसे गंभीर आरोपों में घिरे थे ।यह दर्शाता है कि समस्या केवल नाबालिग की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की है जहां अपराध के बाद भी सच को दबाने की कोशिश होती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सबसे अहम पहलू यह है कि उसने जिम्मेदारी का केंद्र माता पिता को माना है ।न्यायालय ने कहा कि माता पिता के पास बच्चों से बात करने का समय नहीं होता यही मूल समस्या है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में करियर और सामाजिक प्रतिष्ठा की दौड़ में माता पिता यह भूल जाते हैं कि बच्चों के साथ समय बिताना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है ।जब संवाद टूटता है तो बच्चे मोबाइल फोन क्रेडिट कार्ड और महंगी गाड़ियों के सहारे अपनी मर्जी की दुनिया बना लेते हैं ।उन्हें यह नहीं सिखाया जाता कि स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

आज भारत में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के आंकड़े डराने वाले हैं ।वर्ष 2023 24 में ऐसे लगभग बारह हजार हादसे दर्ज किए गए जिनमें हजारों लोगों की जान गई। यह केवल संख्या नहीं है बल्कि हजारों परिवारों का दर्द है। हर दुर्घटना के पीछे एक कहानी है किसी मां की सूनी गोद किसी पिता का टूटा सहारा और किसी बच्चे का अधूरा बचपन यह आंकड़े बताते है कि कानून के साथ साथ सामाजिक चेतना की भी सख्त जरूरत है।

कानून पहले से मौजूद है मोटर वाहन अधिनियम नाबालिगों के वाहन चलाने पर सख्त प्रतिबंध लगाता है और हाल के वर्षो में अभिभावकों पर भी जुर्माने और सजा का प्रावधान किया गया है लेकिन कानून तब तक प्रभावी नहीं हो सकता जब तक समाज उसे स्वीकार न करे। जब तक माता पिता यह न समझें कि प्यार का मतलब हर मांग पूरी करना नहीं है बल्कि सही और गलत के बीच फर्क सिखाना है। सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह से इसे गंभीर सामाजिक समस्या बताया है,वह हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है क्या हम बच्चों को केवल सुविधाएं दे रहे हैं या संस्कार भी क्या हम उन्हें यह सिखा रहे हैं कि सड़क पर चल रही हर गाड़ी के सामने एक इंसान की जिंदगी होती है क्या? हम उन्हें यह समझा पा रहे हैं कि कानून से बचना चतुराई नहीं बल्कि कायरता है। आज जरूरत इस बात की है कि परिवार स्कूल और समाज मिलकर बच्चों के लिए एक जिम्मेदार वातावरण तैयार करें माता पिता को चाहिए कि वे बच्चों के साथ समय बिताएं उनकी बात सुनें उनकी जिज्ञासाओं को समझें और सीमाएं तय करें ।बच्चों को स्वतंत्रता मिले लेकिन उम्र और समझ के अनुसार मिले।

यमकेश्वर में शिक्षा और संस्कार का संगम, धामी, योगी ने किया नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

पथ प्रवाह, यमकेश्वर।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यमकेश्वर पहुंचकर इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित दो मंजिला भवन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम से पूर्व दोनों मुख्यमंत्रियों ने यमकेश्वर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया और शिक्षा के क्षेत्र में इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विद्या मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण है। शिक्षा केवल डिग्री या रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, चेतना और नैतिक मूल्यों के विकास का आधार है। उन्होंने कहा कि सेवा, सुशासन और विकास राज्य सरकार का संकल्प है और इसी भावना के साथ शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते चार वर्षों में राज्य सरकार द्वारा 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी रोजगार प्रदान किए गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इंटर कॉलेज का नवनिर्मित भवन क्षेत्र के शैक्षिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे आज सुरक्षा, सुशासन और विकास के क्षेत्र में पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि यह यमकेश्वर क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है कि योगी आदित्यनाथ ने यहीं से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और आज देश के सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उनका जीवन सेवा, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की प्रेरक मिसाल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि भौतिक विकास जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि यह आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन मात्र है। विद्यालयों की भूमिका केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहकर संस्कार, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों के संवर्धन की भी होनी चाहिए। उन्होंने पौराणिक गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह व्यक्तित्व निर्माण की मजबूत आधारशिला रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें व्यवहारिक और कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। आधुनिक शैक्षिक इंफ्रास्ट्रक्चर से गांवों का कायाकल्प होगा और पलायन पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

इस अवसर पर हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने नवनिर्मित भवन को जनता को समर्पित किए जाने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता युक्त शिक्षा सशक्त जीवन का आधार है। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विद्यालय की वर्तमान स्थिति की जानकारी देते हुए प्रांतीयकरण की प्रक्रिया पर नियमानुसार कार्यवाही का आश्वासन दिया। स्थानीय विधायक रेनू बिष्ट ने विद्यालय के प्रांतीयकरण और विज्ञान विषय की कक्षाएं प्रारंभ कराने की मांग रखी। कार्यक्रम में दोनों मुख्यमंत्रियों ने विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में दोनों मुख्यमंत्रियों द्वारा विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कक्षा 6 के नमन रावत, कक्षा 7 के हर्ष चौहान, कक्षा 8 की आरती चौहान, कक्षा 9 के सचिन बडोला, कक्षा 10 की कु. दीपाली, कक्षा 11 के अभिषेक बडोला तथा कक्षा 12 की कु. पल्लवी शामिल रहे। कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

योगी आदित्यनाथ को देखने उमड़ा जनसैलाब, शिक्षा से संवरता यमकेश्वर का भविष्य

पथ प्रवाह, नवीन चौहान

यमकेश्वर की वादियों में शुक्रवार का दिन खास रहा। सुबह से ही क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ था। वजह थी–उत्तराखंड के सपूत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यमकेश्वर आगमन। जैसे ही योगी के पहुंचने की खबर फैली, इंटर कॉलेज यमकेश्वर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

कार्यक्रम से पहले यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद जब वे नवनिर्मित इंटर कॉलेज भवन के उद्घाटन के लिए परिसर पहुंचे, तो तालियों और जयघोष से वातावरण गूंज उठा। स्थानीय नागरिकों, छात्रों और अभिभावकों के चेहरों पर गर्व और उम्मीद साफ नजर आ रही थी। वर्षों से जिस बेहतर शैक्षिक व्यवस्था का सपना देखा जा रहा था, वह अब साकार होता दिख रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से शिक्षा को संस्कार, संस्कृति और आत्मनिर्भरता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि भौतिक विकास तभी सार्थक है, जब उसके साथ नैतिक और संस्कारयुक्त शिक्षा जुड़ी हो। उनके शब्दों में गांवों के विकास और पलायन रोकने की स्पष्ट सोच झलक रही थी, जिसने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया।

वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिक्षा को सेवा, सुशासन और विकास की नींव बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदार और जागरूक नागरिक तैयार करती है। राज्य सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार देने और शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने भविष्य को लेकर भरोसा जताया।

कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब मेधावी छात्र-छात्राओं को मंच पर सम्मानित किया गया। तालियों की गूंज और बच्चों की मुस्कान ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। यह आयोजन सिर्फ एक भवन के उद्घाटन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यमकेश्वर के शैक्षिक भविष्य और मजबूत शिक्षा के आधार पर सशक्त समाज के निर्माण का संदेश बनकर आया।

श्री तिलभाण्डेश्वर महादेव मंदिर का त्रिदिवसीय शिवरात्रि महोत्सव 14 से

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

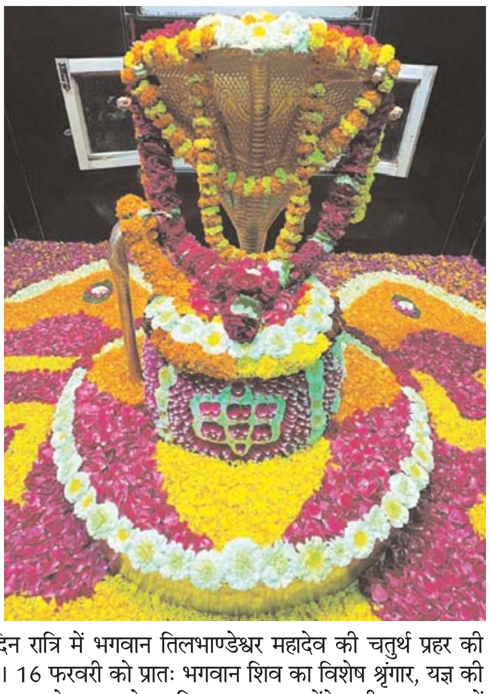

श्री तिलभाण्डेश्वर महादेव मंदिर 31वां त्रिदिवसीय महाशिवरात्रि विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन 14 से 16 फरवरी तक होगा। 16 फरवरी को यज्ञ की पूर्णाहुति होगी।

विश्व शांति महायज्ञ के संबंध में जानकारी देते हुए मंदिर के श्रीमहंत त्रिवेणी दास महाराज ने बताया कि श्री तिलभाण्डेश्वर महादेव मंदिर 31वां त्रिदिवसीय महाशिवरात्रि विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन 14 फरवरी से आरम्भ होगा। 15 फरवरी को भगवान शिव की शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। शोभायात्रा श्री तिलभाण्डेश्वर मंदिर प्रांगण से आरम्भ होकर नगर भ्रमण कर मंदिर प्रांगण पहुंचकर ही सम्पन्न होगी। इसी दिन रात्रि में भगवान तिलभाण्डेश्वर महादेव की चतुर्थ प्रहर की पूजा रात्रि 8 बजे से आरम्भ होगी। 16 फरवरी को प्रातः भगवान शिव का विशेष श्रृंगार, यज्ञ की पूर्णाहुति तथा उसके पश्चात विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी श्रद्धालु भक्तों से यज्ञ में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की।

युवा पीयूष धामी ने सहेजा जागर का गौरव, पद्मश्री बसंती बिष्ट को भेंट किया लघु शोध

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड की लोक संस्कृति और पारंपरिक गायन विधा %जागर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली पहली महिला जागर गायिका पद्मश्री बसंती बिष्ट के जीवन और संघर्षों को अब युवा पीढ़ी शोध के माध्यम से सहेज रही है। इसी क्रम में, युवा कलाकार और शोधार्थी पीयूष धामी ने बसंती बिष्ट जी के जीवन पर आधारित एक विस्तृत लघु शोध तैयार कर उन्हें भेंट किया।

पीयूष धामी द्वारा तैयार किए गए इस लघु शोध में बसंती बिष्ट जी के बचपन, उनके गायन के क्षेत्र में आने की चुनौतियों और जागर विधा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के सफर को बखूबी दर्शाया गया है। पीयूष ने बताया कि इस शोध का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड की समृद्ध लोक परंपराओं को आने वाली पीढ़ी के लिए दस्तावेजी रूप में सुरक्षित करना है। इस अवसर पर पद्मश्री बसंती बिष्ट ने पीयूष के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि, ÷जब युवा अपनी जड़ों और लोक कलाओं पर शोध करते हैं, तभी हमारी संस्कृति जीवित रहती है।÷ उन्होंने पीयूष को भविष्य के लिए आशीर्वाद देते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की। पीयूष धामी, जो स्वयं उत्तराखंड की कला और संस्कृति के संवर्धन में जुटे हैं, का मानना है कि इस प्रकार के शोध कार्य से न केवल कलाकारों को सम्मान मिलता है, बल्कि नए शोधार्थियों के लिए संदर्भ सामग्री भी तैयार होती है। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के बुद्धिजीवियों और संस्कृति प्रेमियों ने पीयूष को बधाई दी है।

योग स्थली खेल परिसर में 10 व 11 फरवरी को होगी एथलेटिक्स प्रतियोगिता

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिला क्रीड़ा अधिकारी हरिद्वार शबाली गुरुंग ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला खेल कार्यालय हरिद्वार के तत्वावधान में जनपद स्तरीय अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग की एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 10 फरवरी, 2026 को किया जाएगा। वहीं अंडर-14 बालक/बालिका वर्ग की एथलेटिक्स प्रतियोगिता दिनांक 11 फरवरी, 2026 को आयोजित होगी। दोनों प्रतियोगिताएं प्रातः 09ः00 बजे से योगस्थली खेल परिसर, रोशनाबाद, हरिद्वार में संपन्न होंगी।

जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि 10 फरवरी, 2026 को अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर एवं 3000 मीटर दौड़ के साथ-साथ लंबी कूद, गोला फेंक एवं चक्का फेंक की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इसी क्रम में 11 फरवरी, 2026 को अंडर-14 बालक एवं बालिका वर्ग के अंतर्गत 60 मीटर दौड़, 600 मीटर दौड़, लंबी कूद (5 मीटर एप्रोच), बैक थ्रो शॉटपुट एवं जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) की खेल स्पर्धाएं आयोजित होंगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र अथवा संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा निर्गत बोनाफाइड प्रमाण-पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। जिला खेल कार्यालय ने जनपद के सभी विद्यालयों, खेल प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कर प्रतियोगिता को सफल बनाने की अपील की।

जिलाधिकारी ने किया पुरोला तहसील, पुरोला थाना और ब्लॉक मुख्यालय का निरीक्षण

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने पुरोला तहसील कार्यालय पहुंचकर समस्त अनुभागों में चल रहे कामकाज की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नेटवर्क कनेक्टिविटी और ई ऑफिस के कार्यों की अद्यतन स्तिथि की जानकारी ली और ई ऑफिस का संचालन शतङ्कप्रतिशत सुनिश्चित करने की हिदायत दी। निरीक्षण में भूलेख और खतौनी अनुभाग द्वारा सहखातेदार और अंश निर्धारण में 6000 में से 240 का निर्धारण शेष होना बताया गया जिसको लेकर जिलाधिकारी तेजी लाने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने उपजिलाधिकारी और तहसीलदार को वसूली के लंबित मामलों में तेज़ी लाकर शतप्रतिशत वसूली करने के निर्देश देते हुए जल्द से जल्द लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने तहसीलदार और उपजिलाधिकारी को अवैध अतिक्रमण वाली सरकारी भूमि एवं विभागीय भूमि को चिन्हित कर अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने क्षेत्र में बढ़ते नशे की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूली बच्चों को नशे की बढ़ती प्रवृति से रोकने के लिए तहसीलदार को समयङ्कसमय पर औचक निरीक्षण करने तथा उपजिलाधिकारी को नगर पालिका, नगर पंचायत का मासिक रिव्यू करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने थाना पुरोला के निरीक्षण के दौरान कंप्यूटर कक्ष, सीसीटीवी का संचालन,महिला हेल्प डेस्क और पुलिस के सुरक्षा उपकरण,अपराध रजिस्टर सहित सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। थाने में जिलाधिकारी को सोलर पैनल की समस्या से अवगत कराया गया जिस पर जिलाधिकारी ने एसपीओ उरेडा से बात कर तत्काल कार्यवाही करने और सोलर पैनल फंक्शनल करने के निर्देश दिये। इस दौरान ग्राम प्रहरी के वेतन संबंधित समस्या से भी अवगत कराया जिस पर जिलाधिकारी द्वारा तत्काल नजारत को वेतन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। डामटा पुलिस चौकी के लिए उपनिरीक्षक पुरोला,तहसीलदार बड़कोट और अधिशासी अभियंता की संयुक्त टीम बनाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने नशे की बढ़ती समस्या पर पुलिस के अधिकारियों को भी सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

विकासखण्ड कार्यालय पुरोला के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली, रिकॉर्ड प्रबंधन, विकास योजनाओं की प्रगति तथा जनसुविधाओं की उपलब्धता का मूल्यांकन किया। तथा निर्देश दिए कि सभी विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से क्रियान्वित किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ब्लॉक में उपस्थित ग्राम प्रधानों और ब्लॉक प्रमुख पुरोला निशिता शाह से भी मिले।

निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी पुरोला मुकेश चन्द रमोला, तहसीलदार पुरोला कमलेश किरौला, खंड विकास अधिकारी सुरेश चौहान, प्रभारी थानाध्यक्ष दीपक कठैत सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर

एसपी कमलेश उपाध्याय के नेतृत्व में निकाली गई सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा रैली

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। 36वें सड़क सुरक्षा माह 2026% के अंतर्गत शुक्रवार को उत्तरकाशी पुलिस द्वारा जिला मुख्यालय में सडक सुरक्षा, जीवन रक्षा रैली निकालकर आम जनमानस को यातायात नियमों व सडक सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया।

जनजागरुकता रैली को पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी कमलेश उपाध्याय द्वारा लीड किया गया। पुलिस लाईन ज्ञानसू में पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस जवानों को सडक सुरक्षा व यातायात नियमों का पालन करने तथा समाज में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता बढाने की शपथ दिलाने के पश्चात रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

पुलिस लाइन ज्ञानसू से प्रारम्भ हुयी यह रैली उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय के जोशियाडा, इन्द्रवती, तिलोथ, भटवाडी टैक्सी स्टैण्ड, मुख्य बाजार, सब्जी मण्डी, बस अड्डा, ताम्बाखानी, गैसगोदाम, ज्ञानसू होते हुये वापस पुलिस लाईन में समाप्त हुयी। रैली के दौरान पुलिस अधिकारी व कर्मियों द्वारा आमजन को सडक सुरक्षा व यातायात नियमों, नाबलिक द्वारा वाहन न चलाने, शराब पीकर वाहन न चलाने, ओवर लोडिंग न करने, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन न चलाने, ओवरस्पीड, तीन सवारी, सीट बेल्ट आदि के प्रति जागरुक करते हुये सडक दुर्घटनाओं के दौरान घायलों की मदद हेतु 'गुड सेमेरिटन योजना' की जानकारी दी गयी। रैली में 50 से अधिक दोपहिया व करीब 30 चार पहिया वाहन से पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिहं पंवार, प्रतिसार निरीक्षक शिव कुमार, निरीक्षक दूरसंचार सचिन कुमार, यातायात उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह चुफाल, व0उ0नि0 दिल मोहन बिष्ट, अनुप नयाल, उमेश नेगी सहित यातायात, कोतवाली उत्तरकाशी, मनेरी, धरासू, पुलिस लाईन, पुलिस कार्यालय व पुलिस दूरसंचार के पुलिस अधिकारी एवं कर्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एसपी उत्तरकाशी द्वारा बताया गया कि %36वें सड़क सुरक्षा माह 2026% के अंतर्गत उत्तरकाशी पुलिस द्वारा ÷सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा÷ रैली निकाली गयी है। इस रैली का उद्देश्य आमजनमानस को सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों की महत्ता के प्रति जागरूक करना है। यातायात नियमों का पालन करना न केवल कानूनन जरूरी है, बल्कि यह जीवन की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। यातायात के नियम हमारी सुरक्षा के लिये महत्वपूर्ण तथा बेहद उपयोगी हैं। उनके द्वारा अपील की गयी है कि सभी नागरिक सडक सुरक्षा व यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित चलें, सुरक्षित रहें।

आप नेता की गोली मारकर हत्या

जालंधर। पंजाब के जालंधर में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबरॉय की शुक्रवार की सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। वे 53 साल के थे। स्कूटी पर आए हमलावरों ने उन्हें 6 गोलियां मारीं। 5 सीने में और एक गोली सिर पर लगी। लक्की ओबेरॉय मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारे में माथा टेकने आए थे। जैसे ही वे गुरुद्वारे से निकलकर अपनी थार गाड़ी में बैठने लगे तो बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियां चलते हुए का सीसीटीवी फुटेज भी समाने आया है।

परिजन गंभीर हालत में उन्हें मॉडल टाउन के प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार को विश्वास नहीं हुआ तो वे उन्हें शहर के श्रीराम अस्पताल लेकर गए। यहां भी उन्हें मृत बताया गया। एडीसीपी जयंत पुरी ने बताया कि पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस को उनकी टारगेट किलिंग का शक है।

ईवीसीएल क्रिकेट लीग के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा, एसएसपी नैनीताल ने किया खुलासा

पथ प्रवाह, नैनीताल।

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम गौलापार में आयोजित होने वाली बहुचर्चित ई0वी0सी0एल (एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग) के नाम पर की गई करोड़ों की ठगी का नैनीताल पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टी.सी. के निर्देशन में काठगोदाम पुलिस ने क्रिकेट लीग के कथित मालिक विकास ढाका को गिरफ्तार करते हुए दो टीम मालिकों से कुल 32 लाख रुपये की धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है। साथ ही अभियुक्त के लेन-देन से संबंधित दो बैंक खातों को फ्रीज कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, 05 फरवरी 2026 को वादी हेमन्त शर्मा निवासी झज्जर (हरियाणा) तथा श्री नारायण पाल पूर्व विधायक सितारगंज, निवासी हल्द्वानी द्वारा थाना काठगोदाम में तहरीर दी गई। तहरीर में बताया गया कि विकास ढाका द्वारा गौलापार स्थित इन्दिरा गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ईवीसीएल क्रिकेट लीग आयोजित कराने का झांसा देकर उनसे मोटी रकम वसूल की गई।

तहरीर के आधार पर थाना काठगोदाम में एफआईआर संख्या 13/2026 व 14/2026 अंतर्गत धारा 318(4) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टी.सी. ने तत्काल पुलिस टीम गठित कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी अमित कुमार सैनी के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष काठगोदाम विमल मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 06 फरवरी 2026 को मल्ला काठगोदाम से अभियुक्त विकास ढाका को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त ने हरभजन सिंह, इरफान पठान, प्रवीण कुमार, मनप्रीत गोनी जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के शामिल होने का झांसा दिया। हेमन्त शर्मा से यू.पी. वॉरियर्स टीम की फ्रेंचाइजी के नाम पर 23 लाख रुपये तथा नारायण पाल से उत्तराखंड सोल्जर्स टीम के लिए 9 लाख रुपये हड़प लिए गए। टूर्नामेंट तय तिथि पर शुरू नहीं हुआ और जांच में यह भी सामने आया कि न तो खिलाड़ियों से कोई अनुबंध था और न ही आयोजन से जुड़ी कोई तैयारी।

गिरफ्तार अभियुक्त

विकास ढाका पुत्र यशवीर सिंह ढाका, निवासी – A-162, सेक्टर, नोएडा (उ.प्र.), उम्र – 35 वर्ष

पुलिस टीम उ0नि0 दिलीप सिंह, उ0नि0 नीतू, हे0का0 करतार सिंह

पोखड़ा में जनसमस्याओं पर त्वरित कार्रवाई, शिविर में 298 लोगों को मिला लाभ

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचानें और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने हेतु मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन पर संचालित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड पोखड़ा की न्याय पंचायत मंजगांव में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर की अध्यक्षता डीएफओ सिविल एवं सोयम पवन नेगी ने की। उन्होंने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को योजनाओं के लिए भटकना न पड़े और सेवाएं सीधे उनके क्षेत्र में उपलब्ध हों। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा लंबित प्रकरणों का समाधान समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याएं दर्ज करायीं। शिविर में कुल 15 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। वहीं 401 लोगों ने शिविर में प्रतिभाग किया। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर के दौरान 298 लोगों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित भी किया गया। डीएफओ ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को योजनाओं की स्पष्ट जानकारी दी जाए तथा पात्र लोगों को त्वरित लाभ प्रदान किया जाए।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख संजय गुसाईं, ज्येष्ठ प्रमुख प्रदीप सिंह, खंड विकास अधिकारी सूर्य प्रकाश शाह सहित अन्य अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों पर रुद्रप्रयाग में विकास की नई रफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों में प्रदेशभर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव जनपद रुद्रप्रयाग में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग परियोजना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनपद भ्रमण के दौरान प्रभारी सचिव रुद्रप्रयाग एवं आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने आज प्रातः जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग के मुख्य बाजार क्षेत्र स्थित पुनाड गदेरे के समीप निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप हो रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं - प्रभारी सचिव

निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने कार्यदायी संस्था एवं संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना आमजन की सुविधा से जुड़ी है, इसलिए कार्य में पारदर्शिता और मजबूती दोनों सुनिश्चित की जाएं।

समयबद्धता पर दिया विशेष जोर

प्रभारी सचिव आर. राजेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि पार्किंग शीघ्र पूर्ण होकर जनता को समर्पित की जा सके। उन्होंने कहा कि समयबद्धता के साथ कार्य पूरा करना शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

जाम की समस्या से मिलेगी स्थायी राहत

निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने कहा कि मल्टी लेवल पार्किंग के निर्माण से रुद्रप्रयाग मुख्य बाजार क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जाम की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने के कारण मुख्य बाजार में यातायात बाधित रहता है, जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ यात्रियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

चारधाम यात्रियों को होगा सीधा लाभ

प्रभारी सचिव ने कहा कि रुद्रप्रयाग चारधाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव है और केदारनाथ धाम जाने वाले लाखों श्रद्धालु प्रतिवर्ष यहां से होकर गुजरते हैं। मल्टी लेवल पार्किंग के निर्माण से चारधाम यात्रियों को सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध होगी और शहर के भीतर वाहनों का दबाव भी कम होगा।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा लंबे समय से मुख्य बाजार क्षेत्र में पार्किंग की समस्या के समाधान की मांग की जा रही थी। इसी के दृष्टिगत शासन द्वारा मुख्य बाजार के समीप मल्टी लेवल पार्किंग निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। यह परियोजना शहरी यातायात प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

?7.09 करोड़ की स्वीकृति, ?2.84 करोड़ जारी

मल्टी लेवल पार्किंग निर्माण के लिए शासन से कुल ?7 करोड़ 9 लाख 74 हजार की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें से ?2.84 करोड़ की धनराशि प्रथम चरण में जारी की जा चुकी है। इस परियोजना के निर्माण की जिम्मेदारी सिंचाई खंड रुद्रप्रयाग को सौंपी गई है, जो तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य कर रहा है।

स्थानीय व्यापार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

मल्टी लेवल पार्किंग के निर्माण से न केवल यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि स्थानीय व्यापारियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। सुगम पार्किंग व्यवस्था से बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ेगी और पर्यटन गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश

प्रभारी सचिव ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में जवाबदेही तय करना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड खुशवंत सिंह, तहसीलदार रुद्रप्रयाग प्रणव पांडे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार का बयान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रुद्रप्रयाग जनपद में निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग परियोजना यातायात सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस परियोजना के पूर्ण होने से न केवल स्थानीय नागरिकों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी, बल्कि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। शासन की मंशा है कि सभी विकास कार्य समयबद्ध एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण हों। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। जनहित से जुड़े ऐसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

एक नजर

महिलाओं की सुरक्षा एवं पॉक्सो एक्ट पर दी जानकारी

पथ प्रवाह, बागेश्वर। डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल द्वारा विकास भवन सभागार में तीन दिवसीय आउटरीच प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस का शुभारंभ जिलाधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समान कार्य वातावरण सुनिश्चित करने तथा पॉक्सो एक्ट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई।

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने एवं स्वयं को निरंतर अपडेटेड रखने का आह्वान किया। साथ ही आयोग एवं हाईकोर्ट के निर्णयों के प्रति भी जागरूक रहने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि अद्यतन जानकारी होने से ही आमजन को बेहतर ढंग से संतुष्ट किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने पिछले तीन दिनों में ज्ञान प्राप्त किया है उसको अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ साझा करें।

संयुक्त निदेशक महेश कोहली ने बताया कि सामाजिक लिंगभेद के कारण महिलाओं और लड़कियों को कई बार समान अवसर नहीं मिल पाते। जेंडर दृष्टिकोण को समझने एवं समाज में समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान मास्टर ट्रेनर नीलिमा भट्ट, रघु तिवारी, योगेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी आर सी तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

यूरोप से ज़्यादा आबादी को मुफ्त राशन दे रहा है भारत, लोकसभा में केन्द्र सरकार का खुलासा

वन नेशन वन राशन कार्ड से प्रवासी मजदूरों को राहत, अब तक 201 करोड़ पोर्टेबिलिटी ट्रांजैक्शन

अहमदाबाद। लोकसभा सत्र में एक सवाल पूछा गया कि देश में गरीब कल्याण अन्न योजना को प्रभावी बनाने और प्रवासी मजदूरों को अनाज मिले, इसके लिए केंद्र सरकार ने क्या व्यवस्था की है। इसके जवाब में भारत सरकार की उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री, निमूबेन बांभणिया ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के 80 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों को पूरी तरह पारदर्शी तरीके से मुफ्त राशन बांटा गया है। लाभार्थियों की संख्या पूरे यूरोप की आबादी से भी ज़्यादा है। उन्होंने बताया कि केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार गरीबों और वंचितों के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। देश में संसद का बजट सत्र चल रहा है, जिसमें झारखंड गौड़ा से सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने पूछा कि देश के दूर-दराज के इलाकों के लोगों को उनके कल्याण और सुविधा के लिए अनाज मिले, इसके लिए केंद्र सरकार क्या कदम उठा रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री निमूबेन बांभणिया ने इस सवाल का स्टैटिस्टिकल डिटेल्स के साथ डिटेल में जवाब दिया। केंद्रीय राज्य मंत्री निमुबेन बांभानिया ने सवाल के जवाब में कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार में खाद्य सुरक्षा को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी गई है।

महिला चौपाल में केंद्रीय बजट में महिलाओं को मिलने वाले लाभ की दी जानकारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भाजपा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा प्रीति गुप्ता की अध्यक्षता में केंद्र द्वारा पारित बजट को महिला चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से ज्वालापुर विधानसभा के ग्राम बोंगला में स्वयं सहायता समूह की बहनों को बताया गया। बजट में महिलाओं के हित के मुख्य बिंदुओं को केंद्रित कर स्वयं सहायता समूह की बहनों को इसकी विस्तार से जानकारी दी गई।

मुख्य वक्ता के रूप में महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री कविता शाह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पारित बजट में समाज के प्रत्येक वर्ग का ख्याल रखा गया है। जिसमें महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति सुधारने के लिए विशेष प्रयास किये गये है। बजट को लेकर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के विकास के साथ साथ महिलाओं को सशक्तिकरण पर भी ध्यान दिया जा रहा है और महिलाओं को कैसे सशक्त बनाया जाये इसको ध्यान में रखते हुए इस बार का बजट प्रस्तुत किया गया है।

साथ ही साथ महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष रीता चमोली ने कहा कि महिलाओं के साथ साथ ही प्रत्येक वर्ग के हित मात्र भाजपा में ही सुरक्षित है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रताप प्रधान ने कहा कि गत दिवस में जो बजट प्रस्तुत हुआ है उसमें देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिला चौपाल के इस कार्यक्रम में कार्यक्रम सह संयोजक चित्रा शर्मा, निवर्तमान उपाध्यक्ष रेनू शर्मा, स्वयं सहायता समूह की संचालिका मंजू देवी, संगीता चौधरी , उज्ज्वल चौधरी, शाहीन आदि उपस्थित रही।

महिलाओं ने की विकास की बात, क्षेत्र पंचायत बैठक में महिलाओं ने दिए सुझाव

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

विकासखंड चौखुटिया में आयोजित क्षेत्र पंचायत की बैठक में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को प्रस्तुत किया गया।

बैठक के दौरान ग्राम प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित पेयजल योजनाओं की प्रगति पर अपने सुझाव रखते हुए कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर ग्रामीणों को नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित किए जाने की अपेक्षा जताई। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि संबंधित विभागों को शेष कार्यों के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया है।

साथ ही ग्रामीण सड़कों की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं शिक्षा से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधारीकरण एवं स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जाए, जिससे आमजन को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

बैठक की विशेष बात यह रही कि महिला ग्राम प्रधानों एवं महिला क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य एवं महिला-शिशु कल्याण से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन को और बेहतर बनाए जाने पर बल दिया।

प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अमजद खान ने जानकारी दी कि उपजिला चिकित्सालय चौखुटिया को तीन विशेषज्ञ चिकित्सक प्राप्त हो चुके हैं तथा ऑपरेशन थिएटर को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक कार्यवाही प्रगति पर है, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

विधायक प्रतिनिधि नंदन सिंह मेहरा द्वारा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों के निर्गमन में आ रही असुविधाओं का विषय रखा गया, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा द्वारा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

क्षेत्र पंचायत सदस्य सिमलखेत कविता नेगी ने सिमलखेत में एएनएम सेंटर स्थापित किए जाने की मांग करते हुए ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि एएनएम सेंटर स्थापित होने से गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को समय पर टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

ब्लॉक प्रमुख चेतना नेगी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विषयों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा ने कहा कि जन समस्याओं का निस्तारण करना, लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराना, पारदर्शी और गुणवत्तापरक रूप से सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों के सुझावों एवं प्रस्तावों को धैर्यपूर्वक सुना तथा सकारात्मक कार्यवाही का आश्वाशन दिया।

कुंभ मेला 2027, पीडब्ल्यूडी सचिव ने हरिद्वार में निर्माण कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार

कुंभ मेला 2027 की भव्य और सुव्यवस्थित तैयारियों को लेकर उत्तराखंड सरकार पूरी तरह सक्रिय मोड में नजर आ रही है। इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय (आईएएस) ने हरिद्वार जनपद में कुंभ मेला से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माणाधीन कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजनाओं की प्रगति का गहनता से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी सचिव ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अंतर्गत निर्माणाधीन मुजफ्फरनगरङ्कहरिद्वार रोड, दिल्लीङ्कदेहरादून एक्सप्रेसवे के हरिद्वार स्पर तथा हरिद्वार बाईपास का अवलोकन किया। उन्होंने इन परियोजनाओं को कुंभ मेला के दृष्टिगत अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर दिया।

इसके साथ ही रोशनाबादङ्कबिहारीगढ़ मार्ग और मंगलौर क्षेत्र में सोलानी नदी पर निर्माणाधीन प्रीस्ट्रेस आरसीसी सेतुओं के कार्यों की भी समीक्षा की गई। सचिव ने सेतु निर्माण कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्माण मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कुंभ मेला 2027 के तहत शहर के भीतर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भाईचारा ढाबा से शिवालिक नगर चौक तक सड़क चौड़ीकरण तथा ज्वालापुर से शिवालिक नगर मार्ग पर पथरी रोह नदी पर प्रस्तावित पुल निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। सचिव ने स्पष्ट किया कि कुंभ मेले में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी एवं एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा में, उच्च गुणवत्ता और दीर्घकालिक उपयोग को ध्यान में रखते हुए पूर्ण की जाएं, ताकि कुंभ मेला 2027 ऐतिहासिक और सुव्यवस्थित रूप में संपन्न हो सके।

एक नजर

कैफे विवाद, युवती के चापड़ से हमले की अफवाह निकली बेबुनियाद

पथ प्रवाह, देहरादून। कोतवाली पटेलनगर क्षेत्र अंतर्गत चंद्रबनी चौक के समीप स्थित ग्रू (त्वह्द्ध2) कैफे में दो पक्षों के बीच हुए विवाद को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही चापड़ से हमले की खबरों को पुलिस ने भ्रामक और निराधार बताया है। पुलिस के अनुसार युवती की मेडिकल रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की धारदार हथियार से चोट की पुष्टि नहीं हुई है। पोलिस के मुताबिक 04 फरवरी 2026 की रात्रि को कोतवाली पटेलनगर को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्रू कैफे में दो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया है। सूचना मिलते ही थाना पटेलनगर से पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटना की जानकारी जुटाई।

जांच में सामने आया कि माही पुत्री हरीश जेटली, निवासी गांधीग्राम गुरुद्वारा रोड, देहरादून अपने कुछ साथियों के साथ ग्रू कैफे में बर्थडे पार्टी मनाने पहुंची थी। बताया गया कि सभी लोग नशे की हालत में थे। इसी दौरान कैफे में मौजूद दूसरे पक्ष के आयुष रावत व अन्य से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो बाद में कैफे के बाहर सड़क पर मारपीट में बदल गई। मारपीट के दौरान युवती माही के सिर में चोट आई, जिसके बाद उसका मेडिकल परीक्षण दून अस्पताल में कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में डॉक्टरों द्वारा सिर पर हार्ड एवं ब्लंट ऑब्जेक्ट से चोट लगना बताया गया है। रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की धारदार हथियार से चोट का कोई उल्लेख नहीं है।

साथ ही मेडिकल रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि युवती द्वारा शराब का सेवन किया गया था। घटना के संबंध में युवती के भाई द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर कोतवाली पटेलनगर में मु0अ0सं0ङ्क103/26 धारा 118(1), 352 बीएनएस के अंतर्गत आयुष रावत व अन्य के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया है। मामले की विवेचना जारी है। पुलिस द्वारा नामजद अभियुक्तों की तलाश में उनके घरों एवं अन्य संभावित स्थानों पर लगातार दबिशें दी जा रही हैं। वहीं, पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही चापड़ से हमले की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए आमजन से अपील की है कि भ्रामक व अपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास न करें।

क्रिकेटर रिंकू फेसबुक अकाउंट हैक

अलीगढ़(ईएमएस)। क्रिकेटर रिंकू सिंह की फेसबुक आईडी हैक हो गई। साइबर ठगों ने रिंकू के फेसबुक की ईमेल आईडी बदलकर उससे होने वाली कमाई अपने खाते में ट्रांसफर कर ली। रिंकू के भाई सोनू की शिकायत के बाद मामले में साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज किया गया। सोनू ने शिकायत में कहा है कि रिंकू के फेसबुक पर 16 लाख फॉलोअर्स हैं। वे काफी समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच और टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में व्यस्त थे। इस वजह से सोशल मीडिया अकाउंट पर ध्यान नहीं दे पा रहे थे। सोनू ने बताया कि रिंकू ने 4 फरवरी को मुंबई से अपना फेसबुक एकाउंट लॉग इन किया। काफी कोशिशों के बाद भी आईडी नहीं खुली। पासवर्ड गलत बताता रहा। बाद में पता चला कि उनकी ईमेल आईडी ही बदल गई है। उनका फेसबुक से लॉग-इन था, लेकिन अब अकाउंट दूसरी मेल आईडी से लॉग-इन दिखा रहा है।

सडक़ हादसों में कांग्रेस नेता समेत 8 मौतें

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में अलग-अलग चार सडक़ हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हैं। पहली घटना कोरबा की है, जहां तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक और ऑटोमोबाइल एजेंसी मालिक की मौत हो गई, जबकि कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष समेत दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दूसरी घटना रायपुर की है। सीएम हाउस के पास तेज रफ्तार सरकारी वाहन ने स्कूल जा रहे ईयू स्कूटर सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी। हादसे में भाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। तीसरी घटना बिलासपुर की है, जहां पिकअप की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी और उनकी बेटी की मौत हो गई। तीनों बेलपान मेला देखकर लौट रहे थे।

ग्राम तेंदुआ मोड़ के पास सामने से आ रही पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। वहीं चौथी घटना कांकेर की है। जन्मदिन मनाने के लिए कार से माकड़ी ढाबा जा रहे दो नाबालिगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार सडक़ किनारे अनियंत्रित होकर पलटते हुए पेड़ से टकरा गई। कार में छह दोस्त सवार थे, जिनमें से चार घायलों का इलाज जारी है।

सीटीईटी परीक्षा को लेकर हरिद्वार प्रशासन सख्त, परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू

पथ प्रवाह, हरिद्वार

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा आयोजित केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (ष्टञ्जश्वञ्ज) को नकल-विहीन, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए हरिद्वार जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। उप जिला मजिस्ट्रेट हरिद्वार जितेन्द्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद हरिद्वार में ष्टञ्जश्वञ्ज परीक्षा दिनांक 07 फरवरी 2026 से 08 फरवरी 2026 तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।

परीक्षा के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से सभी परीक्षा केंद्रों के चारों ओर 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू की गई है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 (पूर्व धारा 144 दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973) के अंतर्गत पारित किया गया है।

CTET परीक्षा के लिए निर्धारित परीक्षा केंद्र इस प्रकार हैं–

- दि ऑक्सफोर्ड स्कूल, नवोदय नगर, रोशनाबाद, हरिद्वार
- डी0ए0वी0 सेंटिनरी पब्लिक स्कूल, जगजीतपुर, लक्सर रोड, कनखल, हरिद्वार
- केंद्रीय विद्यालय, बीएचईएल, रानीपुर, हरिद्वार
- माँ सरस्वती पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हरिद्वारङ्कअपोटिज संरकुत यूनिवर्सिटी, बहादराबाद
- वी0एम0 सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-5, बीएचईएल, रानीपुर
- एजेल एकेडमी सी0से0 स्कूल, लक्ष्मी विहार, बहादराबाद
- शिवडेल स्कूल, लक्सर रोड, जगजीतपुर, कनखल
- महर्षि विद्या मंदिर, लक्सर रोड, जगजीतपुर, कनखल
- शांति मेमोरियल पब्लिक स्कूल, लक्सर रोड, जगजीतपुर
- स्प्रिंग फील्ड स्कूल, बहादराबाद, हरिद्वार

उप जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि निषेधाज्ञा के दौरान परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, सार्वजनिक सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन तथा किसी भी प्रकार की गतिविधि जिससे जनभावनाएं भड़कें या लोक शांति भंग होने की संभावना हो, पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्रों के आसपास निर्धारित मानकों से अधिक ध्वनि प्रदूषण पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी व्यक्ति को लाठी, डंडा, चाकू, तलवार, भाला, आग्नेयास्त्र जैसे बंदूक, पिस्टल या विस्फोटक पदार्थ जैसे पेट्रोल, तेजाब आदि लेकर चलने या रखने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में केवल शांति व्यवस्था में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी तथा पुलिस बल को ही प्रवेश की अनुमति होगी। परीक्षा केंद्र परिसर के भीतर परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मोबाइल फोन, पेजर या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि उपरोक्त आदेशों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

लोकसभा में लगातार पांचवे दिन भी जारी रहा हंगामा

भारत–अमेरिका व्यापार समझौता, सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष का जोरदार हमला

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा में विपक्षी दलों का हंगामा शुक्रवार को लगातार पांचवे दिन भी जारी रहा जिसके कारण सदन नहीं चला और लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के विरोध के बाद लोकसभा को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया है। दोपहर 12 बजे जब पहले स्थगन के बाद सदन की बैठक हुई, तो कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस-टीएमसी और द्रविड़ मुनेत्र कडग़म -डीएमके के विपक्षी सदस्य फिर से सदन के बीचोबीच आ गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे। पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से सदन को चलने देने का आग्रह किया। विपक्ष के हंगामे के बीच, मंत्रियों ने अपने-अपने मंत्रालयों के कागजात रखे। अध्यक्ष द्वारा बार-बार अपील किए जाने के बावजूद, विपक्षी सदस्यों ने अपना विरोध जारी रखा, जिसके बाद सदन को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया। केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा सदन के कामकाज में सूचीबद्ध थी, लेकिन विपक्ष के लगातार विरोध के कारण इसे नहीं लिया जा सका। जिस पर स्पीकर ओम बिरला ने नारेबाजी और सदन में व्यवधान करने को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। ओम बिरला ने कहा, उन्होंने प्रश्नकाल की शुरुआत के समय कहा, मेरा प्रयास होता है कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। प्रश्नकाल सभी माननीय सदस्यों का समय होता है। आज राजपाल जी और प्रियंका गांधी समेत अन्य सदस्यों के प्रश्न हैं। आप नियोजित तरीके से सदन नहीं चलाना चाहते। गतिरोध पैदा करना चाहते हैं।

अभी तक 19 घंटे 13 मिनट सदन का समय बर्बाद हो चुका है। उन्होंने विपक्ष के व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि 140 करोड़ जनता की अपेक्षा रहती है कि सदन चले, चर्चा और संवाद हो। लेकिन आप सभागृह की मर्यादाओं को समाप्त कर रहे हैं। देश की जनता ने पोस्टर और नारेबाजी के लिए आपको संसद में नहीं भेजा है। आपको चर्चा के लिए भेजा गया है। आप नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा करना चाहते हैं। ऐसा सदन मैं नहीं चला सकता।

शुरू होते ही सदन स्थगित

पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, तो विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी और हंगामा में करते हुए सदन के बीचों बीच आ गए। इस दौरान उन्होंने हंगामे के बीच ही जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाए। हंगामा कर रहे सदस्यों से उन्होंने अपनी सीटों पर जाने का आग्रह किया और कहा कि हंगामे के बीच वह सदन की कार्यवाही नहीं चला सकते है इसलिए सभी सदस्य शांत होकर अपनी सीटों पर बैठ जाए।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com